हिंदी को तकनीक और प्रशिक्षण से जोड़ा जाए - प्रभास कुमार झा

वर्धा, 18 मार्च, 2017; प्रभास कुमार झा, सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने कहा है कि हिंदी को प्रौद्योगिकी और प्रशिक्षण से जोड़ने की आज सख्त जरूरत है। ऐसा सॉफ्टवेयर बनाने की जरूरत है कि लोग घर बैठे हिंदी सीखें। उन्होंने कहा कि ई-शब्दकोश आदि का निर्माण इस दिशा में बहुत मददगार साबित होगा। उन्होंने बताया कि गृह मंत्रालय का राजभाषा विभाग इस वर्ष सितंबर महीने में मोबाइल ऐप विकसित करने की कोशिश में है। श्री झा शनिवार को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के भाषा विद्यापीठ में आयोजित परिचर्चा को संबोधित कर रहे थे।

प्रभास कुमार झा ने कहा कि अनुवाद के लिए भी सॉफ्टवेयर ईजाद करने की कोशिश जारी है। सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर की ताकत को लाख गुणा बढा देता है। उन्होंने कहा कि हिंदी सर्वहारा की भाषा है। वह देश के 120 करोड़ लोगों की भाषा है। उन्होंने कहा कि पिछले विश्व हिंदी सम्मेलन में पारित प्रस्ताव के अनुसरण में हिंदी रिसर्च सेंटर (हिंदी शोध केंद्र) का दायित्व भारत सरकार के गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग को दिया गया है। यह केंद्र मशीनी अनुवाद को सर्वसुलभ बनाने पर सबसे अधिक जोर दे रहा है और इसके लिए सॉफ्टवेयर बनाने के प्रयास प्रारंभ कर दिए गए हैं। इस दिशा में उन्होंने महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के भाषा प्रौद्योगिकी तथा कंप्यूटेशनल भाषा विज्ञान विभाग से सहयोग भी मांगा। श्री झा ने कहा कि अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद की बहुत जरूरत पड़ती है और राजभाषा विभागों के दो हजार से ज्यादा अनुवादकों की लगभग सारी ऊर्जा उसी अनुवाद में खप जाती है, अगर अनुवाद का सॉफ्टवेयर बनाने में हिंदी शोध केंद्र सफल होता है तो हमारे अनुवादकों की फौज का कार्यबोझ घट जाएगा और अनुवादकों का दूसरे प्रयोजनों में प्रयोग हो सकेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि उनका विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के ज्ञान कौशल को बढ़ाने के लिए कंप्यूटर की अनिवार्य शिक्षा ही नहीं देता अपितु हिंदी तथा अन्य भाषाओं में अनुवाद के लिए सॉफ्टवेयर विकसित करने की दिशा में लगातार प्रयास करता रहा है। उसमें उसे आशानुरूप सफलता भी मिलती रही है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के भाषा प्रौद्योगिकी तथा कंप्यूटेशनल भाषा विज्ञान विभाग के संकायाध्यक्ष प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल, विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय, सहायक प्रोफेसर डॉ. अनिल कुमार दुबे, डॉ. पीयूष प्रताप सिंह, डॉ. रवि कुमार, अनिर्बाण घोष, सन्मति जैन, डॉ. धनजी प्रसाद, शमीम फातिमा और जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डॉ. कृपाशंकर चौबे ने हिंदी को प्रौद्योगिकी से जोड़ने के लिए किए गए प्रयासों से श्री झा को अवगत कराया। राजभाषा सचिव प्रभास कुमार झा ने हिंदी को प्रौद्योगिकी से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों से संबंधित डॉ. धनजी प्रसाद और शमीम फातिमा की पावर प्वाइंट प्रस्तुतियों की सराहना की। कुलसचिव डॉ. राजेंद्र कुमार मिश्र, राजभाषा अधिकारी राजेश कुमार यादव तथा सहायक संपादक डॉ. अमित विश्वास भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

फोटो कैप्शन- परिचर्चा को संबोधित करते हुए प्रभास कुमार झा, उनके दाहिने हैं कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र।